

विषकम्भ आदि 27 योगों में से 5 वाँ योग 13. एक सममात्रिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में 24 मात्राएं होती हैं तथा अन्त में जगण होता है इसमें 14-10 पर यति होती है सिंहिका छंद 14. संगीत के क्षेत्र में एक विशेष राग, जिसे मालकोश राग का पुत्र कहा जाता है।

**शोभनता स्त्री.** (तत्.) 1. सुंदरता 2. उपयुक्तता, उचित होना, समुचित होना।

**शोभना स्त्री.** (तत्.) 1. सुंदर स्त्री 2. पतिव्रता स्त्री 3. हल्दी 4. गोरोचन 5. स्कंद की एक मातृका अ.क्रि. सुहावना लगना, शोभित होना।

**शोभांजन पुं.** (तत्.) एक प्रकार का नट, कुशल अभिनय करने वाला।

**शोभा स्त्री.** (तत्.) 1. कांति, चमक। 2. शोभा बढ़ाने वाली वस्तु, सौंदर्यवर्धक तत्व जैसे- मेघमालाओं की शोभा, पर्वतमालाओं की शोभा 3. अच्छा या सराहनीय गुण 4. रंग, वर्ण 5. हल्दी 6. छवि, छटा 7. एक समवर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में क्रमशः यगण, मगण, 2 नगण, 2 तगण तथा 2 गुरु होते हैं एवं 6, 7 और 7 पर यति होती है 8. गोरोचन।

**शोभाकर वि.** (तत्.) सौंदर्य उत्पन्न करने वाला।

**शोभाढ्य वि.** (तत्.) शोभा संपन्न, सौंदर्य-युक्त।

**शोभनीय वि.** (तत्.) 1. शोभा बढ़ाने या देने वाला, सुन्दर लगने वाला 2. उचित जैसे- ऐसी हितकारी बातें ही तुम्हारे मुख पर शोभनीय प्रतीत होती हैं।

**शोभाधर वि.** (तत्.) दे. शोभाकर।

**शोभान्वित वि.** (तत्.) शोभायुक्त, सौंदर्यपूर्ण, छबीला, छविमय।

**शोभामय वि.** (तत्.) शोभायुक्त।

**शोभायमान वि.** (तत्.) 1. शोभा देता या बढ़ाता हुआ, शोभित, सुंदर 2. लाक्षणिक प्रयोग में विराजमान, उपस्थित जैसे- इस पर पद आप ही शोभायमान हो सकते हैं।

**शोभा-यात्रा स्त्री.** (तत्.) 1. जुलूस 2. बारात 3. किसी धार्मिक या ऐतिहासिक अनुष्ठान के अवसर पर निकलने वाली सामूहिक यात्रा जिसमें जनसमूह होता है, रथ या गाड़ी होती है, ग्रंथ या प्रतिमा आदि भी होते हैं।

**शोभित वि.** (तत्.) 1. शोभायुक्त, सुंदर 2. सजा हुआ, सज्जित 3. विराजमान 4. फबता हुआ।

**शोभिनी वि.** (तत्.) शोभा देने वाली, सुंदर।

**शोभी वि.** (तत्.) शोभा देने वाला, सुंदर।

**शोर वि.** (फा.) 1. ऊँची ध्वनियाँ; कर्ण-कटु ध्वनियाँ, तीखी आवाजें 2. लोगों के सायास चीखने-चिल्लाने का शोर, सामूहिक ध्वनि 3. किसी वस्तु, घटना या स्थिति की व्यापक स्तर पर होने वाली चर्चा जैसे- आजकल बढ़ती महँगाई का बहुत शोर है।

**शोरगुल पुं.** (फा.) कोलाहल, हल्ला-गुल्ला।

**शोरबा पुं.** (फा.) 1. टमाटर, दाल या सब्जियों को पका कर तैयार किया गया तरल पेय पदार्थ, रसा, जूस, सूप 2. मांस को पका कर तैयार किया गया तरल पेय पदार्थ या रसा।

**शोरा पुं.** (फा.) 1. सफेद रंग का एक प्रकार का क्षार जो दीवार या मिट्टी आदि से नमक के कारण निकल आता है 2. रसा.वि. एक प्रकार का 'सोडियम नाइट्रेट' नामक रंगहीन या गन्धहीन यौगिक है जो क्रिस्टलों के रूप में पाया जाता है, इसका प्रयोग/उपयोग बारूद आदि बनाने के लिए किया जाता है।

**शोरोगुल पुं.** (फा.) दे. शोरगुल।

**शोला पुं.** (अर.) 1. अग्नि की ज्वाला, लपट 2. एक प्रकार का छोटा पेड़ जिसकी लकड़ी सामान्यतः हल्की होती है।

**शोश पुं.** (फा.) 1. किसी वस्तु या पदार्थ की आगे निकली हुई नोक 2. कोई व्यंग्यपूर्ण या झगड़ा पैदा करने वाली बात, अनोखी बात 3. किसी बात में से ही कोई अन्य बात निकाल कर मूल